GYNEFORT Syrup
गायनेफोर्ट सिरप

औशधीय प्रमाणिक विवरण :–

यह योग स्त्रियों की ***किशोर*** अवस्था से वृद्धावस्था तक होने वाले समस्त ***गर्भाशय*** जनित रोगों के निवारण हेतू एक अद्भुत योग है। इस योग का हजारों स्त्रियों के ***गर्भाशय*** जनित विकारों पर परीक्षण कर शत–***प्रतिशत*** कारगर पाये जाने के ***पश्चात्*** निर्माण किया गया है।

प्रभावकारी जड़ी–बूटियों का परीचय :–

अशोक छाल, पतंग छाल, दशमूल, उल्टकम्बल, कूठ, लोध्र, नागकेशर, नागरमोथा, अश्वगंधा, पुर्ननवा, शिलाजीत, दारुहल्दी, यश्टिमधु, मंजिश्ठा, बकुल, सोभान्जन, जटामांसी, घृतकुमारी, भातावर, पीपलामूल, अन्नतमूल, हरमल, बायबिड़ंग, इन सभी जड़ीबूटियों को समकक्ष कार्यकारी दुर्लभ जड़ीबूटियों के क्वाथ/स्वरस द्वारा फोर्टीफाईड कर योग निर्मित किया गया है।

औशधीय गुणधर्म :–

⇒यह योग स्त्रियों के ***गर्भाशय*** जनित रोगकारकों को जड़–मूल से समाप्त कर रोग निवारण हेतु अद्भुत प्रभावकारी है।

⇒इसके सेवन से कष्टार्तव, अल्पार्तव, अनार्तव, अत्यार्तव, दूषितार्तव, रक्तप्रदर, श्वेतप्रदर, ***गर्भाशय*** संक्रमण, ***गर्भाशय*** शोथ (सूजन), ऑवेरियन सिस्ट (गांठ) आदि रोगों के शमन करने हेतु अतीव उपयोगी है। यह योग रक्तवर्धक है।

जीर्ण रोग निवारण हेतू *निर्देश* :–

⇒ कष्टार्तव (अत्यधिक कमर दर्द के साथ मासिक स्त्राव) शारीरिक ***कृशता*** आदि रोगों में **गायनेफोर्ट** का सेवन **नोनी अमृत** के साथ करें।

⇒ अत्यार्तव या रक्तप्रदर (मासिक धर्म ज्यादा आना) रोग में **गायनेफोर्ट** का सेवन **हेमोरेक्स** के साथ करें।

⇒ श्वेत प्रदर (ल्यूकोरिया) में **गायनेफोर्ट** का सेवन **ल्यूकोरेक्स** के साथ करें।

⇒ ***गर्भाशय*** सिस्ट (गांठ) रोग में **गायनेफोर्ट** का सेवन **कार्सीनोल** के साथ करें।

औशधी सेवनकाल :–

3 से 6 माह तक निरन्तर प्रयोग करें।

मात्रा :–

1–2 चम्मच (5-10ml) प्रातः–सांय भोजनोपरान्त समभाग स्वच्छ जल के साथ सेवन करें।

दुश्प्रभाव :– कोई नही है।

निर्देश :– गर्भावस्था में सेवन न करें एवं योग्य चिकित्सक की देखरेख में ही सेवन करें।